



Divanshu



S khatri

Model: Love-Horoscope

Order No: 121737101

Model: Love-Horoscope

Order No: 121737101

Date: 28/03/2026

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
08/01/1996 : _____ जन्म तिथि _____ : 04/06/1999
सोमवार : _____ दिन _____ : शुक्रवार
घंटे 07:46:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:20:00 घंटे
घटी 00:38:22 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 17:08:52 घटी
India : _____ देश _____ : India
Firozpur : _____ स्थान _____ : Delhi
30:55:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
07:30:39 : _____ सूर्योदय _____ : 05:23:20
17:45:18 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:15:34
23:48:13 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:50:44
धनु : _____ लग्न _____ : सिंह
गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
कर्क : _____ राशि _____ : मकर
चन्द्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
आश्लेषा : _____ नक्षत्र _____ : श्रवण
बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
1 : _____ चरण _____ : 2
विष्कुम्भ : _____ योग _____ : ऐन्द्र
वणिज : _____ करण _____ : तैतिल
डी-डीगेश्वर : _____ जन्म नामाक्षर _____ : खू-खुशी
मकर : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मिथुन
विप्र : _____ वर्ण _____ : वैश्य
जलचर : _____ वश्य _____ : जलचर
मार्जार : _____ योनि _____ : वानर
राक्षस : _____ गण _____ : देव
अन्त्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
श्वान : _____ वर्ग _____ : मार्जार

Meenna Salaria Astro & Numerio

Delhi

9667113751

salaria.meena@gmail.com

1

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

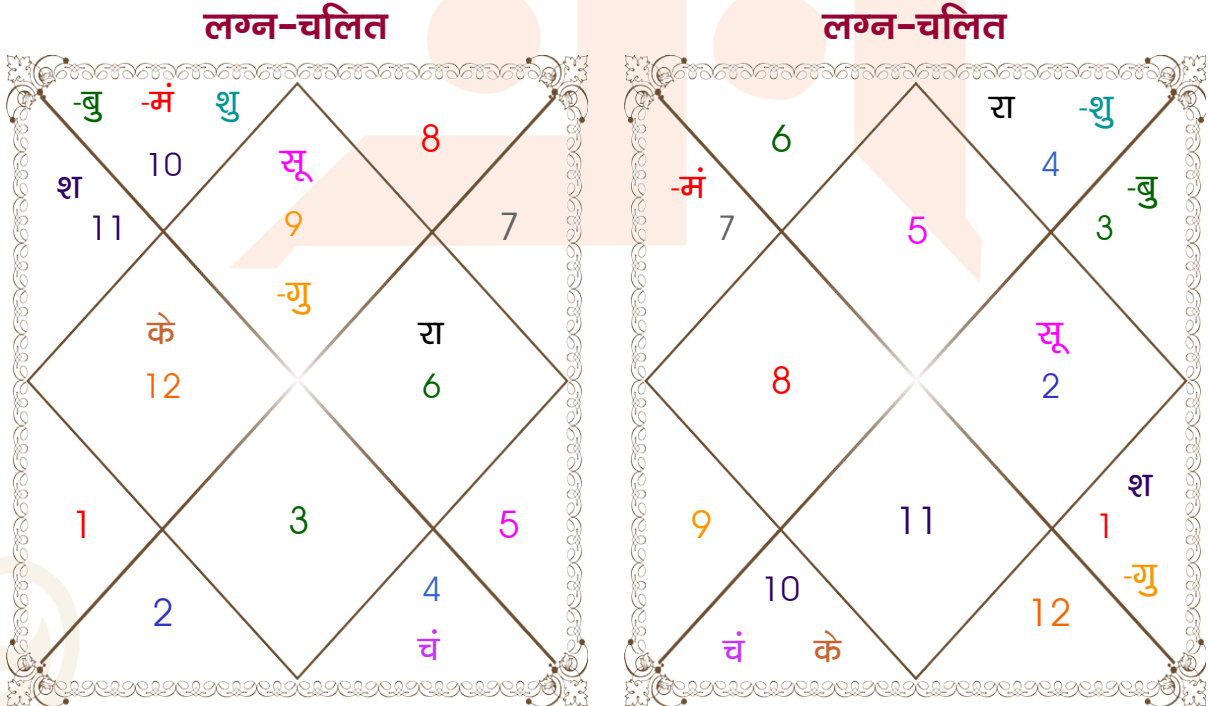
विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 15वर्ष 10मा 26दि	26:09:24	धनु	लग्न	सिंह	20:18:59	चन्द्र 6वर्ष 2मा 28दि
शुक्र	23:15:57	धनु	सूर्य	वृष	19:23:12	राहु
04/12/2018	17:31:28	कर्क	चंद्र	मक	15:00:32	31/08/2012
04/12/2038	05:54:38	मक	मंगल	तुला	00:36:09	01/09/2030
शुक्र 05/04/2022	11:03:44	मक	बुध	मिथु	00:43:01	राहु 14/05/2015
सूर्य 05/04/2023	07:16:26	धनु	गुरु	मेष	01:48:25	गुरु 07/10/2017
चन्द्र 04/12/2024	27:31:39	मक	शुक्र	कर्क	04:32:47	शनि 13/08/2020
मंगल 03/02/2026	26:06:20	कुंभ	शनि	मेष	17:35:04	बुध 02/03/2023
राहु 03/02/2029	28:18:17	कन्या व	राहु व	कर्क	20:51:06	केतु 20/03/2024
गुरु 05/10/2031	28:18:17	मीन व	केतु व	मक	20:51:06	शुक्र 21/03/2027
शनि 04/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	22:52:34	सूर्य 12/02/2028
बुध 04/10/2037	01:08:24	मक	नेप व	मक	10:18:48	चन्द्र 13/08/2029
केतु 04/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:10:10	मंगल 01/09/2030

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:44



Meenna Salaria Astro & Numerio

Delhi

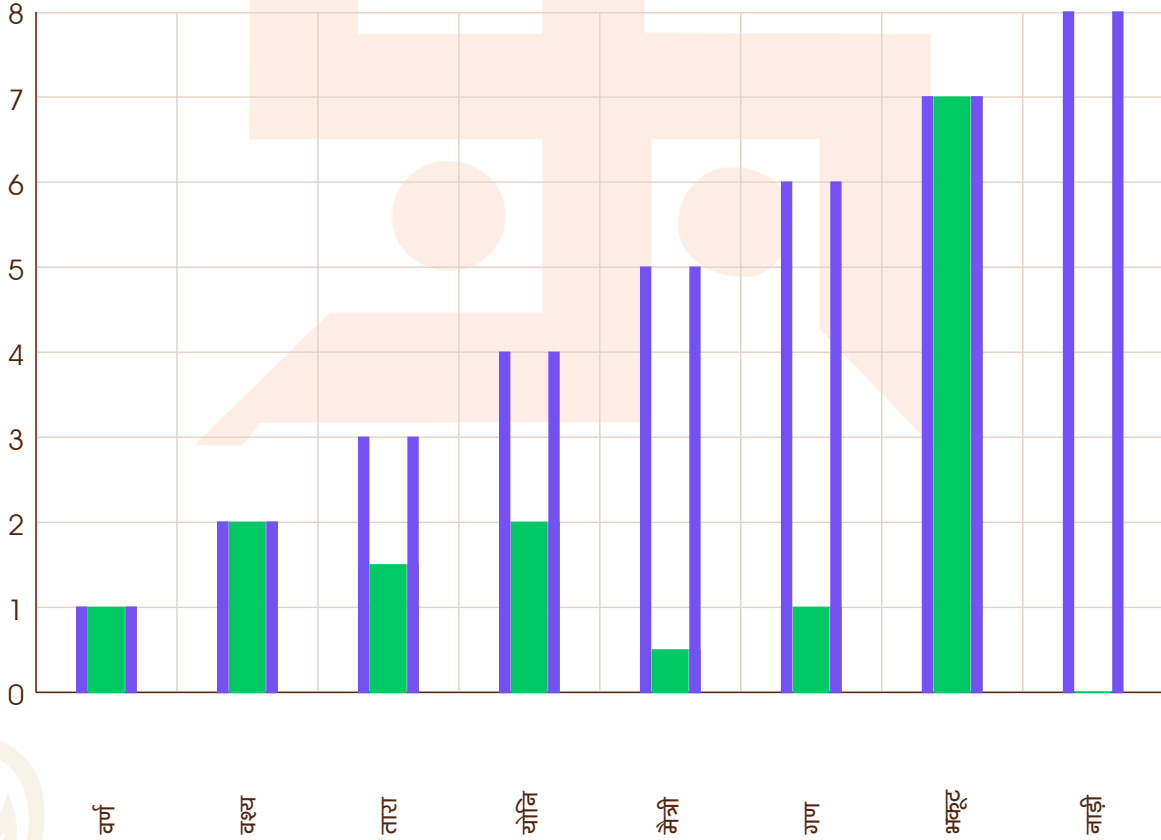
9667113751

salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

कुल : 15 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि S khatri का नक्षत्र श्रवण है।

Divanshu का वर्ग श्वान है तथा S khatri का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Divanshu और S khatri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Divanshu मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

S khatri मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Divanshu तथा S khatri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Divanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा S khatri का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। S khatri सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। S khatri मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

वश्य

Divanshu का वश्य जलचर है एवं S khatri का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

Divanshu की तारा साधक तथा S khatri की तारा प्रत्यरि है। S khatri की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Divanshu एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। S khatri का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही S khatri के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Divanshu अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Divanshu की योनि मार्जार है तथा S khatri की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Divanshu का राशि स्वामी S khatri के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि S khatri का राशि स्वामी Divanshu के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Divanshu का गण राक्षस तथा S khatri का गण देव है। अर्थात् S khatri का गण Divanshu के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Divanshu निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Divanshu का S khatri के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। S khatri हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Divanshu एवं S khatri की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा Divanshu व S khatri को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

Divanshu की नाड़ी अन्त्य है तथा S khatri की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Divanshu एवं S khatri की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



मेलापक फलित

स्वभाव

Divanshu की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा S khatri की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जल में समानता का भाव रहता है। अतः Divanshu और S khatri के मध्य स्वाभाविक समता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा फलतः मिलान उत्तम रहेगा।

Divanshu एवं S khatri की राशियों के स्वामी परस्पर शत्रु एवं समभाव में पड़ते हैं। इसके प्रभाव से यदा कदा Divanshu और S khatri एक दूसरे के प्रति विरोध एवं वैमनस्य के भाव का प्रदर्शन करेंगे जिससे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबंधों में कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि Divanshu और S khatri ऐसी प्रवृत्ति पर नियंत्रण रख सके तो उनका वैवाहिक जीवन सुखमय हो सकता है।

Divanshu और S khatri की राशियां परस्पर सप्तम से सप्तम भाव में पड़ती हैं। यह शुभ भकूट माना जाता है इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को मध्य नजर रखते हुए परस्पर भावनाओं का सम्मान करेंगे। इससे Divanshu और S khatri का वैवाहिक जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Divanshu और S khatri दोनों का वश्य जलचर है। अतः इनकी अभिरूचियों में गहन समानता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी तथा एक दूसरे की काम भावनाओं को शांत एवं सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे फलतः परस्पर अत्यंत ही आकर्षण एवं प्रेम का भाव रहेगा।

Divanshu का वर्ण ब्राह्मण तथा S khatri का वर्ण वैश्य है। इसके प्रभाव से Divanshu शैक्षणिक कार्य कलापों या धर्म संबन्धी कार्यों में प्रवृत्त रहेंगे तथा S khatri की प्रवृत्ति किसी भी प्रकार से धनार्जन संबन्धी कार्यों को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की होगी फलतः कार्यक्षेत्र में भी उन्नतिशील रहेंगे।

धन

Divanshu और S khatri दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Divanshu तथा S khatri दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे S khatri को गले से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त S khatri को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Divanshu और S khatri का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Divanshu और S khatri के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में S khatri के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन S khatri को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में S khatri को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Divanshu और S khatri सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Divanshu और S khatri का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

S khatri के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से S khatri को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। S khatri भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने

में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से S khatri को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए S khatri उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी S khatri के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का S khatri के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Divanshu के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Divanshu अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Divanshu के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Divanshu के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

लग्न फल

Divanshu

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृष्ट-स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगग्रस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी हैं तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते हैं कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

S khatri

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उद्देश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियो, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरुस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक

जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृत्ति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यान्वयन अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यान्वयन समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदतें डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परन्तु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंक ज्योतिष फल

Divanshu

आपका जन्म दिनांक आठ होने से आपका मूलांक आठ बनता है। मूलांक आठ का स्वामी शनिग्रह है। शनि के प्रभाव से आप अपने जीवन में धीरे-धीरे उन्नति प्राप्त करेंगे। व्यवधानों, कठिनाईयों से जूझते हुए सफलता प्राप्त करना आपकी प्रकृति में रहेगा। असफलताओं से आप घबड़ाएँगे नहीं। कभी कभी निराशा के भाव अवश्य आ जाया करेंगे। आलस्य आपका सबसे बड़ा शत्रु रहेगा और यही आलस्य आपकी असफलता का कारण रहेगा। अतः किसी भी कार्य को कल पर न टालें। जीवन में शनि ग्रह के प्रभाववश आप काफी महत्वपूर्ण कार्य करेंगे, जिससे आपको नाम, यश, कीर्ति, प्राप्त होगी। आपकी कार्यशैली को हर कोई समझ नहीं पायेगा, इससे आपके विरोधी भी उत्पन्न होंगे।

आपके अन्दर दिखावे की प्रवृत्ति कम रहेगी। इस कारण आपको कुछ लोग रूखा, शुष्क और कठोर हृदय समझेंगे। जबकि अन्दर से आप काफी भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आप अधिकांश समय में अपने काम से ही मतलब रखेंगे एवं आपकी कोशिश रहेगी कि काम में ही लगे रहें। लेकिन आपके इस व्यवहार के कारण आपके आलोचक भी अधिक रहेंगे।

आपके अन्दर त्याग की भावना अधिक रहेगी एवं श्रम में कभी पीछे नहीं हटेंगे। किसी भी कार्य में कितना भी श्रम, त्याग या बलिदान लगे आप पीछे नहीं हटेंगे। इसी कारण रुकावटों को पार करते हुये आप अपनी मंजिल अवश्य प्राप्त करेंगे। शनि प्रभावी व्यक्ति संघर्ष शील एवं परिश्रमी होते हैं एवं विधनों को पार करते हुये उन्नति करने के कारण इनको सफलता देर से लेकिन स्थायी प्राप्त होती है।

S khatri

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

Divanshu

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

S khatri

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपकी सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।